राज्यपाल सचिवालय
राज भवन, जयपुर

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान का दीक्षांत समारोह

नया इंडिया बनाने में अग्रणी भूमिका निभायें

– राज्यपाल

जयपुर, 19 जनवरी। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना ही नही है वरन् यह हमें समाज के अनुसार रहना भी सिखाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य राष्ट्र की प्रगति, संस्कृति, समावेशी नागरिकता तथा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। शिक्षा छात्र के मन में साझा सांस्कृतिक विरासत, समतावाद, गणतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, लैंगिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मूल्यों का विकास करती है। राज्यपाल ने छात्र–छात्राओं का आव्हान किया वे नया इंडिया बनाने में अग्रणी भूमिका निभाये।

राज्यपाल श्री मिश्र यहां मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 14वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने उत्कृष्ट छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किये। राज्यपाल ने संस्थान के परिसर में स्थित महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्वाजंलि दी। राज्यपाल ने संस्थान में पौधारोपण किया। राज्यपाल ने सीनेटर्स के साथ समूह चित्र कराया। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्र–छात्राओं और प्राध्यापकों को संविधान की उद्देशिका और मूल कर्त्तव्यों का वाचन करवाया।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि हमारी संस्कृति एक अत्यंत प्राचीन एवं गौरवशाली अतीत को रेखाकिंत करती है। भारतवर्ष सदियों तक ज्ञानार्जन, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक विकास तथा व्यापार में अग्रणी रहा है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि नई सदी, जिसका कि तीसरा दशक अभी प्रारंभ हुआ है, चुनौतियों से भरी हुई है। राष्ट्र के विकास में गति लाने के लिये जो कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं, जैसे कि ''डिजिटल इंडिया'', ''मेक इन इंडिया'' एवं ''स्किलिंग इंडिया'', इन सभी की सफलता इस पर निर्भर है कि आप तकनीकी क्षेत्र में कितना शोध करते हैं। राष्ट्र के नव निर्माण हेतु इस प्रतिष्ठित संस्थान के छात्रों के कंधो पर शोध की महती जिम्मेदारी है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि पिछली कुछ शताब्दियों में वैश्विक स्तर पर ज्ञान के स्वरुप के मूल–मंत्रों में बदलाव हुए हैं, जिनकी वजह से समस्त विकास का मापदंड, प्रौद्योगिकी एवं भौतिक संपदा को ही मान लिया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय समाज ने विज्ञान एवं प्रौद्येगिकी में हर जगह अपनी छाप छोडी है। आप लोग उन अवसरों का समुचित उपयोग करें, जो आपकी प्रतीक्षा कर रहें हैं। साथ ही अपने देश की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखें। यह सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि व्यावसायिक समझ भी है क्योंकि व्यक्ति ही समाज की मूल इकाई है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि प्रायः देखा गया है कि उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्र शैक्षिक विकास एवं नौकरी के लिये विकसित देशों का रूख करते हैं, जो कि स्वाभाविक है, पंरतु यहां यह ध्यान में रखना आवश्यक है कि राष्ट्र एवं समाज ने आप पर जो आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक निवेश किया है, उसे ब्याज सहित वापस देना भी आपका ही दायित्व है। आप चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हों, आपका प्रथम कर्त्तव्य अपने राष्ट्र एवं समाज के प्रति है, क्योंकि आप समाज के सबसे विशेषाधिकार प्राप्त तबके से है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि पिछली सदी ने जहां एक ओर समाज को भौतिक समृद्धि एवं तकनीकी विकास का तोहफा दिया हैं, वहीं पारिवारिक एवं सामाजिक बिखराव का काल भी वह सदी रही। हमारी संस्कृति सबको साथ लेकर चलने एवं सघन पारिवारिक, सामाजिक बुनावट के लिये जानी जाती है। नई पीढ़ी के तौर पर आप से यह अपेक्षा है कि आप इस विचारधारा को साथ लेकर ही नए युग मे प्रवेश करेंगे। विचारों की सात्विकता एवं चरित्र की शुद्धता न्यायपरायणता की आधारशिला है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि आज वैश्विक शांति एक अत्यंत संवेदनशील मुद्दा है, जिसका व्यक्ति से लेकर समाज तक हर स्तर पर समाधान किया जाना चाहिये। विकास जब तक शांति की ओर उन्मुख न हो, उसकी कोई महत्ता नहीं है। वैश्विक शांति के परिप्रेक्ष्य में सोचें तो, भौतिक विकास की प्राप्ति के लिये साध्य से अधिक साधन महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि आप अपने ज्ञान का सदुपयोग करके अपने देश के राष्ट्रीय लक्ष्यों तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। भारत को विकासशील से विकसित की श्रेणी में पहुंचा सकते हैं। आप सभी से अपील है कि समाज में व्याप्त कुरुतियों को दूर करना आप लोग अपना उत्तरदायित्व समझें। ज्ञान को उन तक पहुंचाने का प्रयास करें, जिन्हे किसी कारण उच्च शिक्षा के अवसर नहीं मिले है। मौजूदा शिक्षा में पूंजी की महत्ता और प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ा है, पर सामाजिक न्याय व लोक कल्याण के आनुपातिक रूप में नहीं बढ़ पाए हैं। समाज के आखिरी व्यक्ति तक विकास के लाभ को पहुंचाना ही आपका पाथेय होना चाहिए।

समारोह में रेल राज्य मंत्री श्री सुरेश सी अंगडी ने दीक्षांत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान देश के प्रमुख संस्थानों में से है। यहां का परिसर हरा–भरा है। यहां अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के भावी इंजिनियर्स को भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने छात्र–छात्राओं का आव्हान किया कि वे तकनीकी के क्षेत्र में नवाचार करें। स्वागत उद्बोधन संस्थान के निदेशक प्रो. उदयकुमार आर यारागत्ती ने किया।

———

पन्द्रवी राजस्थान विधानसभा का चतुर्थ सत्र 24 जनवरी से

जयपुर, 19 जनवरी। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने एक आदेश जारी कर पन्द्रवी राजस्थान विधानसभा का चतुर्थ सत्र शुक्रवार 24 जनवरी को प्रातः 11 बजे आहूत किया है। इस संबंध में आज राजस्थान विधानसभा सचिवालय द्वारा राजस्थान राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित करवाई गयी।

राज्यपाल श्री मिश्र की संवेदना

जयपुर, 19 जनवरी। राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने दैनिक पंजाब केसरी समाचार पत्र के मुख्य सम्पादक व पूर्व सांसद श्री अश्वनी कुमार चोपड़ा के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

श्री मिश्र ने कहा है कि स्वर्गीय श्री चोपड़ा प्रखर पत्रकार होने के साथ–साथ कुशल जनप्रतिनिधि भी थे। पत्रकारिता के क्षेत्र में स्व. चोपड़ा दक्ष थे। उनके निधन से पत्रकारिता क्षेत्र को क्षति हुई है। राज्यपाल श्री मिश्र ने दिवगंत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमात्मा से प्रार्थना की है।

———

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक, (जस.) राज्यपाल